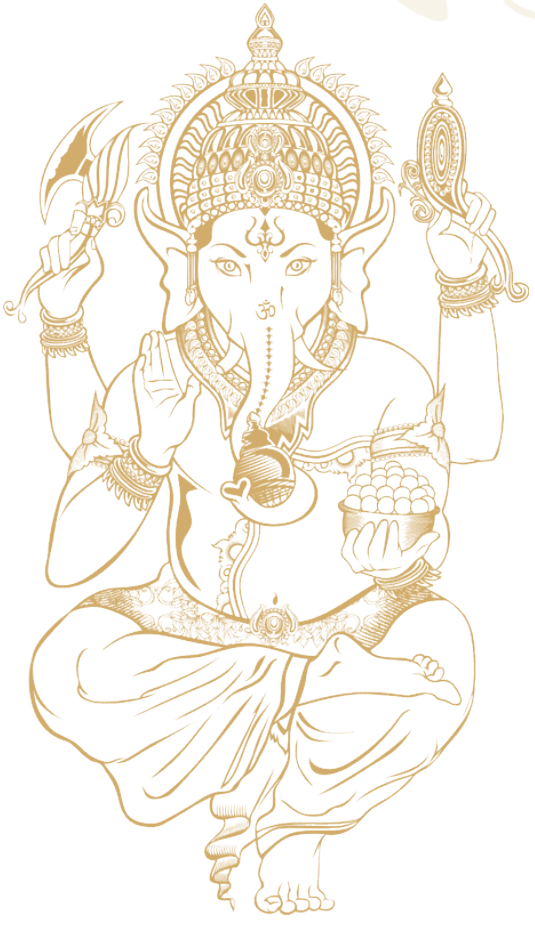

/persad-Gangadien Devika Ro

14 Jun 2001

02:00 PM

Rotterdam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121093702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/06/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	21:34:36 घटी
स्थान	**Rotterdam**
देश	Netherlands

अक्षांश	51:55:00 उत्तर
रेखांश	04:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:42:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:18:00 घंटे
वेलान्तर	-00:00:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:25 घंटे
सूर्योदय	05:22:09 घंटे
सूर्यास्त	22:02:36 घंटे
दिनमान	16:40:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:36:59 वृष
लग्न के अंश	04:16:03 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूती
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:16:03	253:17:46	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			वृष	29:36:59	00:57:19	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	03:34:20	12:07:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	28:38:40	00:19:28	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	02:44:33	00:33:05	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु		अ	वृष	29:38:07	00:13:48	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	13:58:22	00:59:51	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			वृष	13:03:10	00:07:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:34:14	00:00:28	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:34:14	00:00:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:51:54	00:00:45	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:35:51	00:01:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:46:52	00:01:35	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	03:41:43	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:21

लग्न-चलित

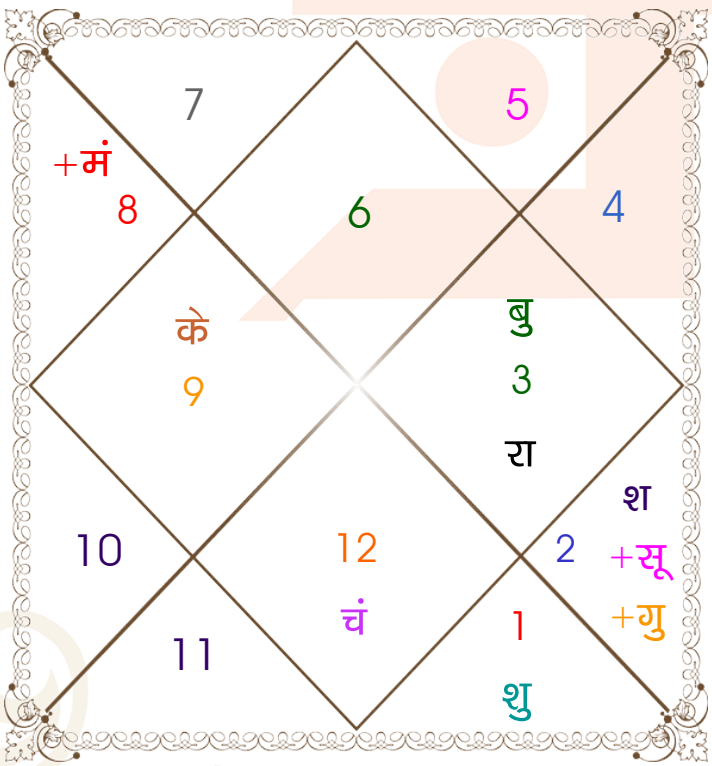

चन्द्र कुंडली

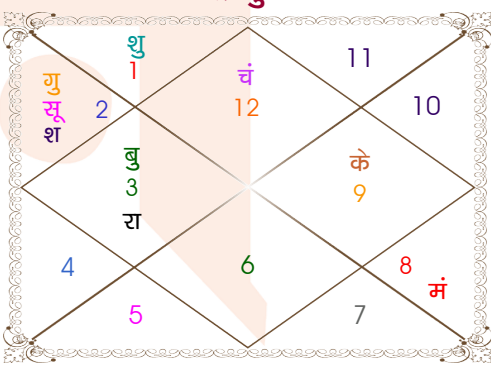

नवमांश कुंडली

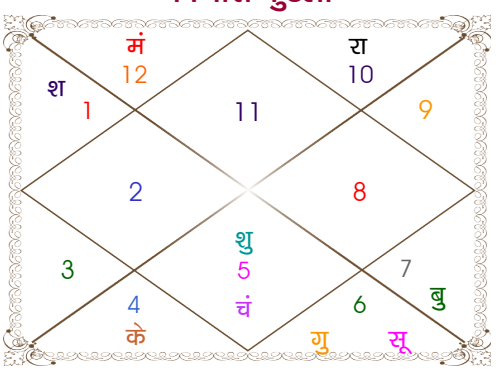

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 7 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/06/2001		10/02/2020		10/02/2037		10/02/2044		10/02/2064	
10/02/2020		10/02/2037		10/02/2044		10/02/2064		10/02/2070	
शनि	13/02/2004	बुध	09/07/2022	केतु	09/07/2037	शुक्र	12/06/2047	सूर्य	30/05/2064
बुध	24/10/2006	केतु	06/07/2023	शुक्र	08/09/2038	सूर्य	11/06/2048	चंद्र	29/11/2064
केतु	02/12/2007	शुक्र	06/05/2026	सूर्य	14/01/2039	चंद्र	10/02/2050	मंगल	05/04/2065
शुक्र	01/02/2011	सूर्य	13/03/2027	चंद्र	15/08/2039	मंगल	12/04/2051	राहु	28/02/2066
सूर्य	14/01/2012	चंद्र	11/08/2028	मंगल	11/01/2040	राहु	12/04/2054	गुरु	17/12/2066
चंद्र	14/08/2013	मंगल	08/08/2029	राहु	29/01/2041	गुरु	11/12/2056	शनि	29/11/2067
मंगल	23/09/2014	राहु	26/02/2032	गुरु	04/01/2042	शनि	10/02/2060	बुध	05/10/2068
राहु	30/07/2017	गुरु	03/06/2034	शनि	13/02/2043	बुध	11/12/2062	केतु	10/02/2069
गुरु	10/02/2020	शनि	10/02/2037	बुध	10/02/2044	केतु	10/02/2064	शुक्र	10/02/2070

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/02/2070		10/02/2080		10/02/2087		11/02/2105		11/02/2121	
10/02/2080		10/02/2087		11/02/2105		11/02/2121		00/00/0000	
चंद्र	11/12/2070	मंगल	09/07/2080	राहु	23/10/2089	गुरु	01/04/2107	शनि	15/06/2121
मंगल	12/07/2071	राहु	27/07/2081	गुरु	18/03/2092	शनि	12/10/2109		00/00/0000
राहु	10/01/2073	गुरु	03/07/2082	शनि	23/01/2095	बुध	18/01/2112		00/00/0000
गुरु	12/05/2074	शनि	12/08/2083	बुध	11/08/2097	केतु	24/12/2112		00/00/0000
शनि	12/12/2075	बुध	08/08/2084	केतु	30/08/2098	शुक्र	25/08/2115		00/00/0000
बुध	12/05/2077	केतु	04/01/2085	शुक्र	31/08/2101	सूर्य	12/06/2116		00/00/0000
केतु	11/12/2077	शुक्र	06/03/2086	सूर्य	25/07/2102	चंद्र	12/10/2117		00/00/0000
शुक्र	12/08/2079	सूर्य	12/07/2086	चंद्र	24/01/2104	मंगल	18/09/2118		00/00/0000
सूर्य	10/02/2080	चंद्र	10/02/2087	मंगल	11/02/2105	राहु	11/02/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।